उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद्
2-शाहमीना रोड़, लखनऊ

पाठ्यक्रम-निदर्शिका

पूर्वमध्यमा

प्रश्नपत्र-संख्या	विषयाः	पूर्णांकाः
प्रथम-प्रश्नपत्रम्	अनिवार्यसंस्कृतम्	100
द्वितीय-प्रश्नपत्रम्	संस्कृतशास्त्रम्	100
तृतीय-प्रश्नपत्रम्	हिन्दी	100
चतुर्थ-प्रश्नपत्रम्	आंग्लभाषा/पालि/नेपाली/प्राकृतम्	100
पंचम-प्रश्नपत्रम्	सामाजिक-विज्ञानम्	100
षष्ठ-प्रश्नपत्रम् एवम् सप्तम-प्रश्नपत्रम् (वैकल्पिक-विषया:)	अधोनिर्दिष्टेषु द्वयमनिवार्यम्- विज्ञानम् /गणितम्/कम्प्यूटर-विज्ञानम्/गृहविज्ञानम्/चित्रकला/ वाणिज्यम्/संगीतम्(गायनम्/वादनम्)/ पौरोहित्यम्/ तुलनात्मक-दर्शनम्/ इतिहास, पुराण एवं संस्कृति	100+100
ऐच्छिक-विषयः	नैतिकशिक्षा-शारीरिकशिक्षा- समाजोपयोगि- उत्पादनकार्याणि च (लिखितपरीक्षा नास्ति, विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्)	ग्रेडिंग

Scanned by CamScanner

पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्डः

प्रथमपत्रम्- अनिवार्यसंस्कृतम्	पूर्णांका:-70
(i)	
क) मूलरामायणम् (बालकाण्डस्य प्रथमः सर्गः)	10
ख) शिवराजविजयः (प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः)	10
ग) छन्दसां लक्षणोदाहरणज्ञानम्-	15
द्रुतविलम्बितम्, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी, तोटकम्, प्रहर्षिणी, हरिणी	
(ii)	
मध्यसिद्धान्तकौमुदी (कारकः, समासः, भ्वादिगणः)	35

अथवा

लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्तप्रकरणमात्रम्)
(व्याकरणेतरच्छात्राणां कृते अनिवार्यम्, व्याकरणच्छात्राणां कृते वैकल्पिकम्)

अथवा

तर्कसंग्रहः पदकृत्यसहित: (अनुमानादिसमाप्तिपर्यन्तः)

अथवा

सांख्यसूत्रम् (तृतीयोऽध्यायः)

द्वितीयपत्रम्- संस्कृतशास्त्रम् (अधोनिर्दिष्टेषु कश्चिदेकः)

1-ऋग्वेदः	पूर्णांका:-70
(क) ऋग्वेदसंहितायाः सस्वरायाः प्रथममण्डलम्, सूक्तानि - 158, 164, 166, 187, 189	
द्वितीयमण्डलम्, सूक्तानि - 12, 23-25, 33, 43-44	
(ख) प्रयोगरत्नानुसारिणी गणेशपूजनादिपुण्याहवाचनप्रयोगो नान्दीश्राद्धप्रयोगश्च-	20
2. शुक्लयजुर्वेद: (माध्यन्दिनशाखीय:)	पूर्णांका:-70
क) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः सस्वरायाः 6-9 अध्यायाः	50
ख) ग्रहशान्तिप्रयोगः, नान्दीश्राद्धान्तः संस्कारभास्करानुसारी	20
3- कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)	पूर्णांका:-70
तैत्तिरीयसंहितायाः सस्वरायाः द्वितीयं काण्डम्	
4- सामवेदः	पूर्णांका:-70
सामवेदसंहितायाः सस्वराया: पूर्वार्चिकस्य 3-4 प्रपाठकौ	
5- अथर्ववेदः	पूर्णांका:-70
अथर्ववेदसंहितायाः सस्वरायाः 3-4 काण्डे	
6- आयुर्वेद:	पूर्णांका:-70
क) अष्टांगहृदयम्	50

Scanned by CamScanner

रोगानुत्पादनीय (चतुर्थोऽध्यायः)

ख) वैद्यशतश्लोकी (51 - अन्तपर्यन्तम्)	20
7- प्राचीनव्याकरणम्	पूर्णांका:-70
क) काशिकावृत्तिः (तृतीयोऽध्यायः) (वार्तिककारिकांशवर्जिता)	40
अथवा	
अष्टाध्यायीभाष्यम्- (तृतीयोऽध्यायः) प्रथमावृत्तिः	
ख) अष्टाध्यायी (तृतीयोऽध्यायः) सूत्रपाठकण्ठस्थीकरणम्	30
8- नव्यव्याकरणम्	पूर्णांका:-70
क) सिद्धान्तकौमुदी	
1) स्त्रीप्रत्ययः	10
2) कारकप्रकरणम्	20
3) समासाश्रयविधिप्रकरणतः	40
9- साहित्यम्	पूर्णांका:-70
चन्द्रालोकः (सम्पूर्णः)	
10- न्यायः	पूर्णांका:-70
न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः अनुमानखण्डमात्रम्	
11- दर्शनम्	पूर्णांका:-70
तर्कभाषा (izek.k Ik;ZUre~	
12- ज्यौतिषम्	पूर्णांका:-70
क) भास्करीयबीजगणितम्	
13- जैनदर्शनम्	पूर्णांका:-70
क) परीक्षामुखसूत्रम् (आ. माणिक्यनन्दिप्रणीतम्)	
14- थेरवादबौद्धदर्शनम्	पूर्णांका:-70
क) दीघनिकायो (पठमो भागो)- सामञ्ञफलसुत्तम्, अम्बट्ठसुत्तम्	40
ख) मज्झिमनिकायो- सम्मादिट्ठिसुत्तम्	30
15- पुराणेतिहासम्	पूर्णांका:-70
क) महाभारतस्य आदिपर्वणः सभापर्वणः वा प्रथमतः f}rh;पर्वपर्यन्तमाख्यानम्	25
ख)युगपुराणे वाल्मीकि-वसिष्ठ-व्यास-सूत-शौनकादीनां परिचयः	25
ग) श्रीमद्भवद्गीतायाः प्रथमध्याय%	20
16- प्राकृतं तथा जैनागमः	पूर्णांका:-70
क) नायाधम्म कहाओ (प्रथमश्रुतस्कन्धस्य सप्तमाध्ययनम्)	
अथवा	
पाइअ गज्जसंगहो वीयो भाओ (कथा 1-10) (प्रो- राजाराम जैन द्वारा सम्पादित)	

तृतीयपत्रम्- हिन्दी कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

Scanned by CamScanner

चतुर्थपत्रम्- 1) आंग्लभाषा कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

2) पालि- पूर्णांका:-70

क) धम्मपदम्, पापवग्गो, दण्डवग्गो 30

ख) उदानम्- बोधिवग्गो 30

ग) अनुवादः- हिन्दीभाषातः पालिभाषायाम् 10

3) नेपाली पूर्णांका:-70

(क) नेपाली गद्यचन्द्रिका भाग 1, लेखक-दिनेशचन्द्र रेग्मी-प्र0-रेग्मीबन्धु, नेपाली पुस्तक सदन काठमाण्डू।

(ख) प्रबन्धलता (अध्ययन हाम्रा मनीषी, गौतम बुद्ध, र भानुभक्तको दार्शनिक पक्ष, नेपाल र संस्कृत शिक्षा)

(ग) नेपाली सामाजिक कहानी (अन्तरे भाग), ले0-भीमनिधि तिवारी, तिवारी प्रकाशन, काठमाण्डू नेपाल।

सहायक ग्रन्थ:-

(1) मध्यचन्द्रिका, ले0-सोमनाथ सिग्देल-पुस्तक संसार, भोटाहिटी, काठमाण्डू।

(2) रचनाकेशर, ले0- गोपाल पाण्डे, साझा प्रकाशन, काठमाण्डू, नेपाल।

(3) अनुवाद चन्द्रिका भाग 2-सोमनाथ सिग्देल-पुस्तक संसार, भोटाहिटी, काठमाण्डू।

1. व्याख्या 20
2. लेखक परिचय 20
3. अनुवाद संस्कृतबाट नेपाली 15
4. अनुवाद नेपालीबाट संस्कृत 15

अथवा

4) प्राकृतम् पूर्णांका:-70

क) रचनानुवादः व्याकरणं च

ख) प्राकृतगद्यपाठाः

(प्राकृत स्वयं शिक्षक 23-35 पाठाः तथा च गज्जसंगहो 1, 5, 9, 10

पञ्चमपत्रम्- सामाजिक-विज्ञानम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

षष्ठपत्रम्-सप्तमपत्रम्- वैकल्पिक-विषय: (अधोनिर्दिष्टेषु एकमनिवार्यम्)

1) विज्ञानम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

2) गणितम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

3) गृहविज्ञानम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

4) चित्रकला कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

5) कम्प्यूटरविज्ञानम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

6) वाणिज्यम् कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

Scanned by CamScanner

7) संगीतम् (गायनम्) कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

8) संगीतम् (वादनम्) कक्षा-10 (उ०प्र०मा०शिक्षा परिषद्) पूर्णांका:-70

अथवा

9) इतिहास-पुराण एवं संस्कृति पूर्णांका:-70

महाभारतकालीन घटनाओं एवं व्यक्तियों का परिचय-

क) 1. युधिष्ठिर का यज्ञ, 2. पाण्डवों का वनवास, 3. यक्ष-युधिष्ठिर सम्वाद, 4. कीचकवध कथा, 5. मत्स्यवेध, 6. द्रौपदी स्वयम्वर, 7. लाक्षागृह, 8. द्यूतक्रीड़ा, 9. कर्ण का दान, 10. अभिमन्युवध, 11. जयद्रथवध, 12. भीष्म का उपदेश, 13. पाण्डवों का स्वर्गारोहण

ख) 1. व्यास, 2. भीष्म, 3. धृतराष्ट्र, 4. पाण्डु, 5. युधिष्ठिर, 6. भीम, 7. अर्जुन, 8. नकुल और सहदेव, 9. कर्ण, 10. दुर्योधन, 11. दुःशासन, 12. द्रोणाचार्य, 13. विदुर, 14. श्रीकृष्ण, 15. शकुनि।

ग) 1. द्रौपदी, 2. गान्धारी, 3. कुन्ती, 4. मत्स्योदरी (योजन-गन्धा)

अथवा

9) पौरोहित्यम् पूर्णांका:-70

क)	सर्वतोभद्रपूजनविधिः समन्त्रकः (कारिकासहितः)	25
ख)	लिंगतोभद्रपूजनविधिः समन्त्रकः (कारिकासहितः)	20
ग)	पीठपूजनविधिः, यन्त्रपूजनविधिः, अग्न्युतारणविधिः, प्राणप्रतिष्ठाविधिः	25

अथवा

10) तुलनात्मक-दर्शनम् (सम्पूर्णानन्द सं0वि0वि0 से मान्य पुस्तक) पूर्णांका:-70

दर्शन का स्वरूप, भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन की विशेषतायें, भारतीय दर्शन के विभिन्न विभाग, वैदिक और अवैदिक दर्शनों का संक्षिप्त विवरण, चार्वाक न्याय वैशेषिक- सांख्ययोग-मीमांसा वेदान्त का परिचय। पाश्चात्य दर्शन के ग्रीक विचारों का विकासात्मक स्वरूप तथा आधुनिक दर्शन की प्रवृत्तियाँ, देकार्त, लाक एवं काण्ट के संक्षिप्त विचार।

11) वास्तुशास्त्रम् पूर्णांका:-70

क) बृहद्वास्तुमाला

अष्टमपत्रम्- ऐच्छिकविषयः-

नैतिकशिक्षा- व्यायामः तथा समाजोपयोगि-उत्पादनकार्यम्।

श्रेणीकरणम् (ग्रेडिंग-विषयः)

(लिखितपरीक्षा नास्ति विद्यालयद्वारा श्रेणीकरणम्)।

Scanned by CamScanner